भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ:ततांरा वामीरो कथा	कायपत्रिका की तिथिः -------------
संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टीफन	तिथिः------------------------------
विद्यार्थी का नाम :----------------------	कक्षा : X ब

प्रश्नोत्तर

प्र.1तताँरा है कथा की कहाँ वामीरो-?

उ.1तताँरानिकोबार-कार और अंदमान लिटिल आज जो ,है कथा की द्वीपों उन के देश वामीरो-नाम से जाने जाते ह । कहा जाता है कि कभी ये दोनों द्वीप एक थे ।

प्र.2वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई ?

उ.2समुद्र की ऊँची लहर ने वामीरो को पूरी तरह से भिगो दिया । इसी हड़बड़ाहट म वामीरो अपना गाना भूल गई ।

प्र.3तताँरा ने वामीरो से क्या याचना की ?

उ.3तताँरा ने वामीरो से याचना की कि वह अपना मधुर गाना पूरा करे । बाद म उसने उसका नाम जानने और अगले दिन भी वहाँ आने की याचना की ।

प्र.4तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी ?

उ.4तताँरा और वामीरो के गाँव की यह रीति थी कि वहाँ के निवासी केवल अपने गाँव वालों के साथ ही विवाह कर सकते थे । गाँव के बाहर के किसी लड़के या लड़की से विवाह करना अनुचित माना जाता था ।

प्र.5क्रोध म तताँर ने क्या किया ?

उ.5अपनी लकड़ी की तलवार निकाली । उससे किसी पर प्रहार न करदिया। घोंप म धरती , फिर ताकत से उसे खींचने लगा । द्वीप के अंतिम सिरे तक धरती चीरकर उसे दो हिस्सों म बाँट दिया ।

<u>प्रश्नों के उत्तर 30-25)शब्दों म – लिखिए(</u>

प्र.1तताँरा की तलवार के बारे म लोगों का क्या मत था ?

उ.1तताँरा की तलवार के बारे म लोगों का यह मत था कि यह तलवार लकड़ी की जरूर हैकिंतु , इसम अद्भुत दैवीय शक्ति विद्यमान है । तताँरा सदा इस तलवार को सदा अपने साथ रखता है तथा कभी इसका उपयोग नहीं करता ।

प्र.2वामीरो ने तताँर को बेरुखी से क्या जवाब दिया ?

उ.2वामीरो ने तताँर को बेरुखी से जवाब दिया कि –पहले बताओ तुम कौन होमुझे तरह इस , घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण क्या है ? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों का उत्तर देने को म बाध्य नहीं हूँ ।

प्र.3तताँरा वामीरो-की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार म क्या परिवतन आया?

उ.3तताँरा वामीरो-की त्यागमयी मृत्यु से उनके गाँवों की जड़ परंपरा टूट गई ।वैवाहिक संबंधों पर लगी रोक हटा दी गई।अब दोनों गाँवों म आपसी विवाह हो सकते ह ।

प्र.4निकोबार के लोग तताँरा को क्या पसंद करते थे ?

उ.4तताँरा एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था ।वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था ।वह सदैव दूसरों को सहायता के लिए तत्पर रहता था । उसके त्याग,व्यक्तित्व आकषक , आत्मीय स्वभाव और सहयोग को भावना को वजह से निकोबार के लोग उसे बेहद पसंद करते थे ।

प्रश्नों के उत्तर – लिखिए(म शब्दों 60-50)

प्र.1निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के बारे म निकोबारियों का क्या विश्वास है ?

उ.1निकोबारियों का विश्वास है कि पहले अंदमान और निकोबार दोनों द्वीप एक ही थे । अविभक्त निकोबार म परंपरा थी कि एक गाँव का व्यक्ति दूसरे गाँव को लड़को से विवाह संबंध नहीं रख सकता ।तताँरा नाम के एक युवक को अन्य गाँव को एक लड़को वामीरो से प्रेम हो गया । परंतु गाँव वालों ने मिलकर इसका विरोध किया और तताँरा का अपमान किया । इस परंपरा को तोड़ने के लिए उसने अपनी तलवार से धरती को दो टुकड़ो म चीर दिया।तब से ये दोनों द्वीप अलग ह ।

प्र.2तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद कहाँ गया ? वहाँ के प्राकृतिक सौंदय का वणन अपने शब्दों म कोजिए ।

उ.2तताँरा खूब परिश्रम करने के बाद समुद्र के किनारे टहलने चला गया। शाम का समय था और समुद्र से ठंडी बयारे आ रही थीं । समुद्र से लगे क्षितिज तले डूबनेवाली किरण समुद्र के पानी म सतरंगी छटा बिखेर रही थीं । पक्षियों को सायंकालीन चहचहाहट धीरेक्षीण धीरे-होती जा रही थीं । सचमुच उस ढलती शाम का सौंदय अद्भुत था ।

प्र.3वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन म क्या परिवतन आया ?

उ.3वामीरो से मिलने के बाद तताँरा का हृदय व्यथित रहने लगा ।वह पूरा दिन वामीरो से मिलने को प्रतीक्षा मे बिता देता ।शाम ढलने से पहले ही वह लपाती को उसी समुद्री चट्टान पर पहुँच जाता। थे गए सिल मानो होंठ ।उसके था मिला बार पहली से वामीरो वह जहाँ , वह केवल नि:शब्द होकर वामीरो का निहारता रहता था ।

प्र.4प्राचीन काल म मनोरंजन और शक्ति जाते किए आयोजन के प्रकार किस लिए के प्रदशन-थे?

उ.4प्राचीन काल म मनोरंजन और शक्ति शामिल भी पशु उसम । थे उपाय अनोखे के प्रदशन-होते थे । पशुथा।युवकों होता प्रदशन का पशुओं पुष्ट-हृष्ट उसम । थे होते आयोजन के पव-को शक्तिथा होता ऐसा मेला एक म वष । था जाता भिड़ाया से पशुओं उन्ह लिए के परीक्षा-जिसम सभी गाँवों के लोग इकट्ठे होते थे । उसम बाद म नृत्य और संगीत-भोजन का भी प्रबंध होता था ।

प्र.5रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लग तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों स्पष्ट कोजिए ।

उ.5रूढ़ियाँ होती ही बंधन है ।'रूढ़ी' का अथ है – ऐसा बंधनबजाय के होने लोकहित जिससे , अहित होता है । जो परंपरा लोगों के विकासवह ,बने बाधा म पूति-इच्छा और आनंद , रूढ़ी का टूट जाना ही अच्छा है के मानव रूढ़ियाँ या परंपराएँ सारी को मनुष्य क्योंकि, विकास के लिए ह । कोई भी परंपरा मानव से अधिक मूल्यवान नहीं है । अत: मानव हित के लिए किसी भी बाधक रूढ़ी का टूट जाना अच्छा है ।